North Eastern Railway
पूर्वोत्तर रेलवे
Electrical Department
विद्युत विभाग

The Electrical department over NE Railway is responsible for the Design, drawing, planning, installation, and maintenance of electrical installations and equipments. The working area of Electrical department may be divided into three branches Viz. Rolling Stock, Traction Distribution & General Services.

पूर्वोत्तर रेलवे पर विद्युत विभाग विद्युत प्रतिष्ठानों और उपकरणों के डिजाइन, ड्राइंग, योजना, स्थापना और रखरखाव के लिए जिम्मेदार है। विद्युत विभाग के कार्य क्षेत्र को तीन शाखाओं में विभाजित किया जा सकता है। चल स्टॉक, कर्षण वितरण और सामान्य सेवाएं।

Organizational Structure

PCEE is the Administrative Head of the Electrical Department, with overall responsibility for the efficient working of the department. He is responsible to the General Manager in all the matters pertaining to Electric/Diesel Traction and Electrical General Services. On behalf of the General Manager, he directs and supervises all the electrical works related to Railway, whether executed by Divisional Officer or by independent organization. He oversees the budget of the Electrical Department and is responsible for works to be executed by the department. PCEE also function as Electrical Inspector to the Government as defined in Section 36(1) of Indian Electricity Act- 1910, in respect of all high voltage electrical installations and equipment owned by the Railways.

He is assisted by Chief Electric Locomotive Engineer (CELE), Chief Electrical Distribution Engineer (CEDE), Chief Electrical Service Engineer (CESE) & Chief Electrical General Engineer (CEGE).

In Divisions PCEE is assisted by Sr.DEEs for efficient functioning of Electric and Diesel rolling stock, Traction Distribution and Electrical General Services under his direct administrative control. In all technical matters, the Senior Divisional Electrical Engineers/General (Sr.DEE/G), Senior Divisional Electrical Engineers/Operation (Sr.DEE/OP.) Senior Divisional Electrical Engineers/TRD (Sr. DEE/TRD), and Senior Divisional Electrical Engineers /TRS are answerable to PCEE.

प्रमुविई विद्युत विभाग के प्रशासनिक प्रमुख हैं, जिनके पास विभाग के कुशल कामकाज की समग्र जिम्मेदारी है। वह विद्युत/डीजल कर्षण और विद्युत सामान्य सेवाओं से संबंधित सभी मामलों में महाप्रबंधक के प्रति उत्तरदायी है। महाप्रबंधक की ओर से, वह रेलवे से संबंधित सभी विद्युत कार्यों का निर्देशन और पर्यवेक्षण करते है, चाहे वह मंडल अधिकारी द्वारा निष्पादित हो या स्वतंत्र संगठन द्वारा. वह विद्युत विभाग के बजट की देखरेख करते है और विभाग द्वारा निष्पादित किए जाने वाले कार्यों के लिए जिम्मेदार हैं। प्रमुविई रेलवे के स्वामित्व वाले सभी उच्च वोल्टेज विद्युत प्रतिष्ठानों और उपकरणों के संबंध में भारतीय विद्युत अधिनियम- 1910 की धारा 36(1) में परिभाषित सरकार के विद्युत निरीक्षक के रूप में भी कार्य करते हैं।

उन्हें मुख्य विद्युत लोकोमोटिव अभियंता (सीईएलई), मुख्य विद्युत वितरण अभियंता (सीईडीई), मुख्य विद्युत सेवा अभियंता (सीईएसई) और मुख्य विद्युत सामान्य अभियंता (सीईजीई) द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

डिवीजनों में प्रमुविई को उनके सीधे प्रशासनिक नियंत्रण के तहत इलेक्ट्रिक और डीजल रोलिंग स्टॉक, ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन और इलेक्ट्रिकल सामान्य सेवाओं के कुशल संचालन के लिए सीनियर डीईई

द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। सभी तकनीकी मामलों में, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सामान्य) वरिष्ठ डीईई /सामान्य(, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/संचालन) वरिष्ठ डीईई/ऑपरेशन (वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी) वरिष्ठ डीईई/टीआरडी और वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरएस) सीनियर डीईई/टीआरएस गोंडा और गोरखपुर (मंडल में प्रमुविई के प्रति जवाबदेह हैं।)

Mission

To provide efficient, safe and pollution free rail transport system to accelerate socio-economic growth of nation.

राष्ट्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में तेजी लाने के लिए कुशल, सुरक्षित और प्रदूषण मुक्त रेल परिवहन प्रणाली प्रदान करना।

Assets

Traction distribution- NER has 3188.85 BG route kms spread over the three Divisions Viz. Lucknow, Varanasi and Izzatnagar. The electrified BG RKM is 3164.28 out of 3188.85 BG Route kms. There are total 31 TSS commissioned for traction Power supply as on date.

कर्षण वितरण- पूर्वोत्तर रेलवे में 3188.85 बीजी मार्ग किलोमीटर है जो तीन मंडलों में फैला हुआ है। लखनऊ, वाराणसी और इज्जतनगर। 3188.85 बीजी मार्ग किलोमीटर में से 3164.28* बीजी आरकेम विद्युतीकृत है। ट्रैक्शन बिजली आपूर्ति के लिए कुल 35 टीएसएस कमीशन किए गए हैं।

SN	Division	BG RKM	Electrified BG RKM
1	Lucknow	922.28	910.91
2	Varanasi	1270.28	1297.28
3	Izzatnagar	996.29	956.08
	Total	**3188.85**	**3164.28***

***** Kurraiya to Shahgarh ~ 24.57 RKM (550 m wildlife clearance pending) RE work almost completed.

LOCO- NER has 04 Loco Sheds at Gorakhpur, Gonda, Izzatnagar & Saiyedpur Bhitri. There is holding of 239 Electric Loco and 09 Diesel Loco over NER.

पूर्वोत्तर रेलवे में गोरखपुर, गोंडा, इज्जतनगर और सैयदपुरभितरी में कुल 04 लोको शेड हैं। इस तरह पूर्वोत्तर रेलवेमें 239 इलेक्ट्रिक लोको और 09 डीजल लोको की होल्डिंग है।

SN	Loco Shed	Electric Loco Holding	Diesel Loco Holding
1	Izzatnagar	50	09
2	Gonda	127	0
3	Gorakhpur	44	0
4	SaiyedpurBhitri	18	0
	Total	**239**	**09**

General Services - The Non-Traction Power Supply is taken from UPPCL, UPCL & BSPHCL and distributed to Railway Stations as well as Staff Colonies. Out **of 500 Stations over NE Railway 437 Stations** are electrified and rest of the stations are halt/Flag stations.

The 33 KV supply is been availed at Gorakhpur, Gonda Flash Butt Welding Plant, Gonda Colony, Diesel Shed Izzatnagar, Aishbagh (Lucknow) & Manduadih/Varanasi.

सामान्य सेवाएं नॉन-ट्रैक्शन बिजली की आपूर्ति यूपीपीसीएल, यूपीसीएल और बीएसपीएचसीएल से ली जाती है और रेलवे स्टेशनों के साथ-साथ स्टाफ कॉलोनियों में वितरित की जाती है। पूर्वोत्तर रेलवे के 500 स्टेशनों में से 437 स्टेशनों का विद्युतीकरण किया गया है और बाकी स्टेशन हॉल्ट/फ्लैग स्टेशन हैं।

गोरखपुर, गोंडा फ्लैश बट वेल्डिंग प्लांट, गोंडा कॉलोनी, डीजल शेड इज्जतनगर, ऐशबाग (लखनऊ) और मंडुआडीह/वाराणसी में 33 के0वी0 के माध्यम से विद्युत आपूर्ति की जा रही है।